nt>

11.01 hrs.

Title: Regarding militants attacks on Vaishno Devi Pilgrims near Katra, Jammu and or Army Camp at Akhnoor. House also adopted a resolution condemning these incidents.

...(*Interruptions*)

श्री रामदास आठवले (पंढरपुर) : अध्यक्ष महोदय, वैणो देवी दर्शन के लिए जा रहे सात तीर्थयात्रियों की हत्या हुई है। यह गंभीर मामला है।â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Please sit down.

...(*Interruptions*)

श्री रामजीलाल सुमन (फिरोजाबाद) : अध्यक्ष महोदय, यह बहुत गंभीर मामला है। सरकार को इस्तीफा देना चाहिए।â€¦ (व्यवधान) वैणों देवी जो रहे सात तीर्थयात्रियों की हत्या हुई है।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप बैठ जाइये। मैं वैणों देवी मामले के बारे में ही निवेदन कर रहा हूं। आप बैठ जाइये।

श्री रामजीलाल सुमन : अध्यक्ष महोदय, सरकार क्या कर रही है?â€¦ (व्यवधान) सरकार इस्तीफा दे। यह बहुत गंभीर मामला है।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मैं समझता हूं। आप बैठ जाइये।

डॉ.विजय कुमार मल्होत्रा (दक्षिण दिल्ली) : जम्मू-कश्मीर की सरकार भी इस्तीफा दे।â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: I have received several notices and I am going to make a reference to all those notices.

...(*Interruptions*)

श्री रामजीलाल सुमन : अध्यक्ष जी, आप संवेदना व्यक्त कर रहे हैं लेकिन सरकार क्या कर रही है।â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Please sit down. Let me speak.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: There was an attack on the pilgrims at Katra.

â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: The terrorists attacked on the pilgrims at Katra. Therefore, the hon. Members are agitated. I could understand their sentiments.

...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : आप बैठ जाइये। यह कोई तरीका नहीं है। जब मैं खड़ा हूं तो आप बैठ जाइये। मैं बार-बार यह सह नहीं सकता हूं कि जब मैं खड़ा हूं तब भी आप खड़े रहें। मैं जानता हूं कि वैणों देवी का मसला गंभीर है।

â€¦ (व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव (सम्भल) : अध्यक्ष जी, आप गुस्सा मत कीजिए।

डॉ.विजय कुमार मल्होत्रा : आप हाउस को रैनसम रखेंगे और कहेंगे कि गुस्सा मत कीजिए।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मैं जानता हूं कि मामला गंभीर है, वहां घटनाएं हो रही हैं लेकिन ऐसे खड़े होना तो ठीक नहीं है।

श्री मुलायम सिंह यादव : अध्यक्ष जी, हम उन्हें रोक रहे हैं।

अध्यक्ष महोदय : आप उन्हें रोकेंगे तो वे रुक जाएंगे।

श्री रामजीलाल सुमन : अध्यक्ष जी, यह बहुत गंभीर मामला है।

MR. SPEAKER: The hon. Minister is here.

...(*Interruptions*)

श्री अशोक कुमार सिंह चन्देल (हमीरपुर, उ.प्र.) : अध्यक्ष जी, हमने पंजाब के बारे में काम रोको प्रस्ताव दिया है।

अध्यक्ष महोदय : ठीक है, उसे भी सुनेंगे।

डॉ.विजय कुमार मल्होत्रा : किस विाय पर दिया है?

MR. SPEAKER: They have given me a notice for this.

...(*Interruptions*)

डॉ.विजय कुमार मल्होत्रा : यह एडजोर्नमेंट मोशन का मजाक बन गया है।â€¦ (व्यवधान)

श्री रामजीलाल सुमन : यह कौन होते हैं रोकने वालेâ€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: The issue of attack on pilgrims is definitely an important issue. Therefore, I am allowing both the sides to speak on the issue. I will permit both the sides to speak. आप लोग भी बोल सकते हैं और ये लोग भी बोल सकते हैं।

â€¦ (व्यवधान)

श्री सत्यव्रत चतुर्वेदी (खजुराहो) : आपकी रूलिंग क्या मजाक की बात है ? â€¦ (व्यवधान) इस देश की सुरक्षा व्यवस्था को इन्होंने मजाक बना दिया है। â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : यह गम्भीर विाय है।

श्री राम विलास पासवान (हाजीपुर) : इतनी बड़ी घटना घटी है - क्या यह मजाक है? लोग मर रहे हैं - क्या यह मजाक है? â€¦ (व्यवधान)

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI (RAIGANJ): On behalf of our Party, the Indian National Congress, first of all, I express our sincere and deepest condolences to those pilgrims who became victims in the very unfortunate and tragic incident which took the lives of seven pilgrims, including a child, yesterday. What is happening there is not only tragic, but it is shocking to all of us and the entire nation. I am told informally that the said attack is still continuing in Akhnoor this morning in which five *jawans* have also been killed. I am not confirming it as I have come to know of it informally.

Last year, during the course of the journey of pilgrims to Amarnath, as far as I remember, a similar incident took place at the *langar* by terrorists. At that time, this House had discussed in depth the inadequate arrangements, lack of alertness on the part of the security forces and review of the situation by the Joint Command. After the elections in Jammu and Kashmir when things started improving, as per the official comment of the Prime Minister of India, the Prime Minister himself went to the Kashmir Valley to address a meeting organised by the Chief Minister. From there the atmosphere started building up to have a dialogue with Pakistan. It was followed by our Leader of the Opposition having a meeting of fifteen Chief Ministers in Srinagar to discuss the issues of the country at large, thereby creating more confidence in the people. It was then followed by not less than fifteen Parliamentary Committees, including the Standing Committee on Railways, of which I am a member, visiting Srinagar. Things had started looking up; people had started coming there; tourists were moving and there was genuinely an atmosphere of confidence. I think the complacency on the part of the security management of the Government of India took the whole thing very lightly at the backdrop of these developments.

The Opposition Leader of Pakistan has come to India; he is still here today. He was with the Prime Minister, with the Leader of the Opposition and also with other distinguished leaders of the country supporting the cause of friendship, unity and peace between the two nations on the lines of the Simla Treaty. We can well imagine that at this backdrop, the frustrated terrorist elements will have a lot of designs. These designs should have been apprehended by the Union Government and it was for the Joint Security Command to understand what nature they could have been. This time they made target not of the Amarnath pilgrims, but the regular pilgrims who go to Vaishnov Devi everyday. They attacked at the *langar* built by the late Gulshan Kumar of T-Series. It is surprising that two grenades were blasted in that place one after another within a duration of five minutes. The whole arrangement appears to have been taken very casually by the security force.

I cannot demand full facts at the moment till the whole thing is reported. But we demand an instant reaction of the Government of India for their own preparedness of security. I do not like to repeat the commitment made by Shri L.K. Advani right from the day he assumed the office of the Home Minister pertaining to the White Paper and pertaining to the security alertness, etc.

The only thing is this. Definitely, at the point of time when the ground rule of Jammu and Kashmir was providing confidence to the people and the atmosphere was seemingly improving between the two neighbours, why could the Government of India not apprehend serious and desperate attempts on the part of these militant outfits in such centres? This is our question and it is a shocking message to us. Therefore, in the fitness of things, while we shall cooperate with the people of Jammu and Kashmir including the Union Government of India, it is all the more necessary that the Union Government should come out with a statement as to how serious the nature of the blast was and how was the security arrangement by the Joint Command in Jammu and Kashmir.

Once again, I reiterate, on behalf of my Party, our views in this matter and express our sincere condolences with an exception. Mr. Speaker Sir, the Chief Whip of the ruling party, without understanding the gravity of the situation, in spite of your assertion, made a comment that Adjournment Motions are all *mazak*. It is an insult to our parliamentary procedure. I think he should withdraw his comment.

डॉ.विजय कुमार मल्होत्रा : अध्यक्ष जी, एडजर्नमैंशन मोशन जिस का मैंने जिक्र किया था, वह कल अयोध्या के विाय में था। â€¦ (व्यवधान)

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI : It is on CBI and not about Ayodhya.....(*Interruptions*)

डॉ.विजय कुमार मल्होत्रा : एडजर्नमैंट मोशन जिस का मैंने जिक्र किया, उसके बारे में यह कहा कि इन्होंने मजाक बना दिया । ये हर बार अयोध्या के सवाल को यहां हाउस में लाते हैं। â€¦ (व्यवधान)

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI (RAIGANJ): Sir, I seek your indulgence. In our Motion, the word 'Ayodhya' was not thereâ€¦...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I have permitted him to speak and he will speak.

डॉ.विजय कुमार मल्होत्रा : अध्यक्ष जी, कांग्रेस पार्टी का यह तरीका बन गया है कि अपनी बात कहने के बाद अगर इधर से कोई अपनी बात कहे तो उसे न कहने देना â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष जी, यह विाय जो आपके सामने हैं, बहुत गम्भीर है। कटरा में तीर्थ यात्रियो पर आक्रमण करके जिस ढंग से उनकी हत्या की गई, उस पर सारे देश को गुस्सा है, क्रोध है और मारे गए व्यक्तियों के प्रति सहानुभूति है। समाचारों के मुताबिक आज सुबह अखनूर में जो घटना हुई और फिदायीन अटैक हुए, उसे देखने के लिए स्वामी चिन्मयानन्द जी वहां गए हैं। सारा देश आतंकवादी घटनाओं की निन्दा करता है और उन्हें रोकने का प्रयास करता है। यहां मुझे उस समय बहुत दुख होता है, जब वहां लोग मारे जाते हैं â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: This is a very serious subject.

...(*Interruptions*)

डॉ.विजय कुमार मल्होत्रा : वहां 60 हजार के करीब लोग मारे गए हैं और उनके ऊपर राजनीति की जा रही है। यूनियन गवर्नमैंट को उसके लिए कोसा जा रहा है। â€¦ (व्यवधान)

श्री कांतिलाल भूरिया (झाबुआ) : अध्यक्ष महोदय, यह एक गम्भीर विाय है जिस पर यह राजनीति कर रहे हैं। â€¦ (व्यवधान)

डॉ.विजय कुमार मल्होत्रा : अध्यक्ष जी, जब दासमुंशी जी अपनी बात कह रहे थे तो बीच में यहां से कोई नहीं बोला। â€¦ (व्यवधान) अध्यक्ष जी, क्या यह सच नहीं है बार-बार यह कहा जा रहा है कि यूनियन गवर्नमैंट ने क्या किया, इसकी जिम्मेदारी यूनियन गवर्नमैंट की थी? क्या जम्मू-कश्मीर गवर्नमैंट की कोई जिम्मेदारी नहीं है?

श्री सत्यव्रत चतुर्वेदी : आतंकवादियों को रोकने की जिम्मेदारी यूनियन गवर्नमैंट की थी, हैं और रहेगी। â€¦ (व्यवधान)

डॉ.विजय कुमार मल्होत्रा : यूनियन गवर्नमैंट और जम्मू-कश्मीर गवर्नमैंट दोनों को मिल कर इसे रोकने का प्रयास करना है। मुझे यह बात सुन कर बहुत दुख हुआ जब हमारी सेनाओं को कंडैम किया गया। वहां सेना जिस हालात में काम कर रही है â€¦ (व्यवधान)

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI : He should withdraw his words. This is too muchâ€¦...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Shri Reddy, he is not yielding.

...(*Interruptions*)

SHRI S. JAIPAL REDDY (MIRYALGUDA): Sir, I am on a point of order. ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Shri Jaipal Reddy, he has not yielded.

...(*Interruptions*)

DR. VIJAY KUMAR MALHOTRA : I have not yielded. ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Please sit down.

...(*Interruptions*)

डॉ.विजय कुमार मल्होत्रा : अध्यक्ष जी, यह कहना कि सुरक्षा बलों ने ध्यान नहीं दिया, यूनियन गवर्नमेंट ने एंटीसिपेट नहीं किया, ठीक नहीं है। इन्होंने स्वयं इस बात को अभी स्वीकार किया है कि 15 पार्लियामेंटरी कमेटीज वहां गईं। वहां लाखों की संख्या में टूरिस्ट जा रहे हैं और यहां आकर वहां के हालात से संतोा प्रकट किया है कि सुधार हो रहा है लेकिन इस समय यूनियन गवर्नमेंट को कटघरे में खड़ा किया जा रहा है। यह तीर्थ-यात्रियों के साथ न्याय नहीं कर रहे हैंâ€¦ (व्यवधान) सरकार को कटघरे में खड़ा करने के बजाय सरकार की प्रशंसा करनी चाहिये थी।

श्री श्रीप्रकाश जायसवाल (कानपुर) : क्या यूनियन गवर्नमेंट की जिम्मेंदारी नहीं है?

DR. VIJAY KUMAR MALHOTRA : I am not yielding. ...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : आप लोग एक मिनट बैठिये।

श्री सत्यव्रत चतुर्वेदी : अध्यक्ष महोदय, ये लोग कुछ भी बोलें, हम कहां तक बर्दाश्त करें। ये लोग गलत बातें कह रहे हैं।

अध्यक्ष महोदय : मैं सदन से विनती करना चाहता हूं कि यह घटना गम्भीर हुई है और जब ऐसे गम्भीर मामले पर चर्चा की शुरुआत हुई है तो सब एक दूसरे पर आरोप न लगायें तो अच्छा होगा। मंत्री जी उत्तर देने के लिये तैयार हैं कि क्या हो रहा है जिसे हम सब लोग जानने के लिये बैठे हुये है । अंत में उस घटना में मारे गये लोगों के लिये संवेदना संदेश भी होगा। इसलिये ऐसे समय में एक-दूसरे पर आरोप न लगाते हुये हर एक सदस्य अपनी भावनायें व्यक्त करें, ऐसा मैं सोचता हूं कि अच्छा होगा। मेरी विनती पार्टी के सभी नेताओं से भी है कि केवल जो घटना हुई है और मुझे अभी बताया गया है कि ऐसी घटना अभी भी वहीं हो रही है या नहीं मुझे मालूम नहीं कि सचमुच में क्या चल रहा है। इस बारे में मंत्री जी बतायेंगे। मेरी आप सब से विनती है कि ऐसे हालात में सदन में यह रुख न रखें और एक-दूसरे पर आरोप न लगायें क्यों कि यह देखने में अच्छा नहीं लग रहा है।

डॉ.विजय कुमार मल्होत्रा : अध्यक्ष जी, सारे सदन को आतंकवादियों की निन्दा करनी चाहिये क्योंकि पाकिस्तान के इशारे पर ये सब कुछ हो रहा है। उनके आका जो अमेरीका में बैठे हुये हैं, उन्हें इस बारे में पाकिस्तान से कहना चाहिये कि ये सब चीजें बंद करे। इन सब बातों के लिये भारत सरकार की तारीफ करनी चाहिये आप लोगों को न किâ€¦ (व्यवधान)

श्री श्रीप्रकाश जायसवाल : अब क्या भारत सरकार की तारीफ हो रही है?

डॉ.विजय कुमार मल्होत्रा : हां, आप लोगों को भारत सरकार की तारीफ करनी चाहिये कि उसने इतने जोर से आतंकवादियों को कुचला है, तभी इतना सुधार हुआ है। भारत सरकार की इस बात के लिये प्रशंसा करनी चाहिये।â€¦ (व्यवधान)

श्री श्रीप्रकाश जायसवाल : यह भारत सरकार ने नहीं कुचला बल्कि कांग्रेस की कुर्बानियों के कारण हुआ है।

डॉ.विजय कुमार मल्होत्रा : भारत सरकार की तारीफ करनी चाहिये और आतंकवादियों की निन्दा करनी चाहिये क्योंकि 1989-90 से लेकर आज तक जो कुछ हुआ है, उसमें 60 हजार लोगों की जानें गई हैं और आपके राज मेंâ€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Dr. Vijay Kumar Malhotra, please conclude.

श्री श्रीप्रकाश जायसवाल : इसलिये आप सोते रहे और कारगिल की घटना हो गई। हमने 1965 के युद्ध में पाकिस्तान को हरायाâ€¦ (व्यवधान) और आज आप ठेकेदार बन रहे हैं। इस मुल्क को आप कैसे आतंकवादियों से बचायेंगे और देश की रक्षा कैसे करेंगे?

श्री श्रीचन्द कृपलानी (चित्तौड़गढ) : अध्यक्ष जी, ये क्या बोल रहे हैं?

अध्यक्ष महोदय : जब आपकी पार्टी के नेता बोल रहे हैं तो उन्हें बोलने दें, आप बैठिये।

...(व्यवधान)

डॉ.विजय कुमार मल्होत्रा : वहां पर सुरक्षा केâ€¦ (व्यवधान)

श्री सत्यव्रत चतुर्वेदी : अध्यक्ष महोदय, आप इन्हें समझाइये, अभी आपने समझाया था कि आरोप-प्रत्यारोप न करें, उसका असर आप देख रहे हैंâ€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : जो आप करना चाहते हैं, वह ठीक नहीं है, आप अपने-अपने आसन पर बैठिये। यह नहीं हो सकता, मैंने आपको बोलने की इजाजत नहीं दी है, कृपया बैठिये। इतनी सीरियसली बोलने के बाद भी आप नहीं समझेंगे तो मैं क्या कर सकता हूं। यदि आप लोग सोचते हैं कि इस विाय पर सदन में चर्चा नहीं होनी चाहिए तो मत कीजिए।

...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Please sit down. Otherwise, I will ask the hon. Minister to make a statement and nobody will get an opportunity to speak.

...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : इसके लिए आप लोग जिम्मेदार होंगे।â€¦ (व्यवधान)

डॉ.विजय कुमार मल्होत्रा : अध्यक्ष जी, वहां पर एक टोटल कमांड है। उस कमांड में केन्द्र सरकार, जम्मू-कश्मीर सरकार और सेना सब मिलकर वहां काम कर रहे हैं। परंतु इसे राजनीति का अखाड़ा न बनायें। क्या मैं इनसे रिक्वैस्ट करूं कि वहां पर आतंकवादियों को छोड़ने में थोड़ी सावधानी बरतें। वहां लगातार आतंकवादियों को छोड़ा जा रहा है â€¦ (व्यवधान) वहां पर आतंकवादियों के जो आउटफिट्स हैं, उनके ऊपर ज्यादा नजर रखें। â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : हर सैन्टैन्स पर यह नहीं हो सकता, हर वाक्य के बाद आप उनसे पूछेंगे तो कैसे चलेगा।

...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Dr. Malhotra, I have permitted you to speak. I am not stopping you from speaking. You can complete your statement.

डॉ.विजय कुमार मल्होत्रा : मैं सारे सदन से अनुरोध करना चाहता हूं â€¦ (व्यवधान)

SHRI S. JAIPAL REDDY : We want the hon. Deputy Prime Minister to clarify whether the Government of India supported the healing touch policy or not....(*Interruptions*) The hon. Prime Minister cannot speak in one voice and Dr. Malhotra speak in another voice.

डॉ.विजय कुमार मल्होत्रा : मैं कहना चाहता हूं कि वहां तीर्थयात्रियों पर जो आतंकवादी हमला हुआ है, इसकी कांग्रेस पार्टी सहित सबको मिलकर निंदा करनी चाहिए और They should target Pakistan and not the Government of India. यही मैं उनसे रिक्वैस्ट करना चाहता हूं।

श्री मुलायम सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, कटरा रात्रि में आतंकवादियों द्वारा वैणों देवी के दर्शनार्थियों पर हुए हमले का हम निंदा करते हैं और जो दर्शनार्थी मारे गये हैं तथा घायल हुए हैं, उनके प्रति हमारी गहरी संवेदना है और जो हत्याएं तथा हमला करने वाले लोग हैं, उनकी हम घोर निन्दा करते हैं। सदन में जो आरोप- प्रत्यारोप हो रहे हैं, यह राजनैतिक आरोप- प्रत्यारोप हो रहे हैं। अध्यक्ष महोदय आपको याद होगा जब भी आतंकवादियों का हमला हुआ है और आपने और प्रधान मंत्री जी ने जब भी विपक्ष को बुलाया है, तब विपक्ष ने हमेशा सहयोग किया है। चाहे पहलगाम में अमरनाथ के तीर्थयात्रियों पर हमला हो, संसद तथा कश्मीर विधान सभा का हमला हो या अक्षरधाम मन्दिर पर हमले की धटना हो, चाहे गुजरात की घटना हो, पूरे विपक्ष तथा समाजवादी पार्टी ने हमेशा सरकार का साथ दिया है।

जहां तक यह सवाल है कि इसकी जिम्मेदारी केन्द्र सरकार या राज्य सरकार पर डाली जाए, यह गलत है। यह अपनी जिम्मेदारी से भागना है। इसमें केन्द्र सरकार और राज्य सरकार दोनों की जिम्मेदारी है और केन्द्र सरकार को वहां और ज्यादा सावधान इसलिए होना चाहिए, क्योंकि पाकिस्तान के साथ बातचीत हो रही है और जब शांति के प्रयास किये जाते हैं तब ये हमले और जोरदार होते हैं। इस बात की केन्द्र सरकार को पहले से जानकारी है और राज्य सरकार को भी जानकारी है। अभी वैष्णो देवी के दर्शनार्थियों पर जो हमला हुआ है, इसकी चर्चा बहुत दिनों से लगातार चल रही थी और हम समझते हैं कि वहां सुरक्षा बल सावधान भी थे। लेकिन जिस तरीके से वहां लंगर होता है, वहां हमें भी जाने का मौका मिला है, ऐसे अवसर पर असावधानी स्वाभाविक है। लेकिन अब इसे अंतर्राट्रीय स्तर पर कैसे हल किया जाए, यह आपके स्तर की बात है, हमने हमेशा आपका समर्थन और सहयोग किया है।

जहां तक आप लोग बोलते हैं कि कौन, किसका आका है। नम्बरदार अमरीका है, मल्होत्रा साहब यह आपको सोचना पड़ेगा, समाजवादी पार्टी को नहीं सोचना पड़ेगा। कौन किसका आका बना बैठा है, यह आप जानते हैं। हम इस संबंध में राजनीति नहीं करना चाहते हैं। लेकिन हम एक नहीं, ऐसे बहुत से प्रमाण दे सकते हैं जिससे स्पट है कि वह किसका आका है। वह समाजवादी पार्टी का आका नहीं है और न कभी रहा है। हम जानते है, हमने उसका विरोध किया है तो उसका राजनीतिक दृटि से हमने कितना नुकसान उठाया है और उसी आका की बदौलत नुकसान उठा रहे हैं। उस पर हम कुछ नहीं कहना चाहते। लेकिन आज इसे गंभीरता से लेना चाहिए। हम राजनीति नहीं करते, मल्होत्रा साहब, आप राजनीति करते हैं।

आज हम उप प्रधान मंत्री जी से पूछना चाहेंगे कि आपने पूरे देश में ज़ोर-शोर से कहा कि हम दो मुद्दों पर ही वोट मांगेंगे - सुरक्षा और विकास। सुरक्षा के संबंध में आतंकवादियों को रोकने का प्रयास किया गया है तो उसमें हम लोगों का योगदान भी कम नहीं है। हम लोगों ने जोखिम कम नहीं उठाया है। सुरक्षा आप कितनी पुख्ता कर रहे हैं, नहीं कर रहे हैं, वह अलग बात है, लेकिन फिर भी थोडी - बहुत कर रहे हैं। हमारी भी जांच पड़ताल होती है। हमने कहा था कि यह सबसे बढ़िया मौका है कि प्रशिक्षण कैम्पों पर हमला कर दो जब पहलगांव की घटना हुई थी। मुझे याद है, प्रियरंजन दास जी बहुत गंभीर थे और हमसे न्यूयार्क में कहा था कि मुलायम सिंह जी, अब आपको अपनी कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की आवश्यकता है। हम जानते हैं कि हम लोगों ने आतंकवाद के खिलाफ हमेशा संघा किया। देश के मामले में हम कभी किसी से समझौता नहीं कर सकते चाहे राजनीति में कितना ही नुकसान हो, लेकिन देश पहले है। देश रहेगा तभी राजनीति हो पायेगी। इसलिए आज हमें अफसोस के साथ कहना पड़ रहा है कि चाहे कमी खुफिया विभाग की तरफ से हो, वह उप प्रधान मंत्री जी बताएंगे, क्योंकि वह गृह मंत्री भी हैं। वे बताएंगे कि कहां कमी रह गई। कमी रही तो कैसे पूरी की जाएगी, लेकिन आज यह जरूर कहना चाहेंगे कि पूरा हिन्दुस्तान दहशत में है। बस में बैठने पर भी दहशत है, रेलगाड़ी में बैठने पर भी दहशत है, जहाज़ में बैठने पर भी दहशत है, तीर्थ यात्रा करने में भी दहशत है जिसमें कभी दहशत नहीं होती थी। उप प्रधान मंत्री जी बताएंगे कि सुरक्षा का कितना कड़ा प्रबंध किया है और आप सुरक्षा के नाम पर वोट मांगने जा रहे हैं, विकास के नाम पर राजनीति करने जा रहे हैं। विकास कितना हुआ है, वह हम जानते हैं कि कितना विकास गांव-गांव में हुआ है। विदेशी विनिवेश से कितना फायदा किसको पहुंचा है, पूरा सदन जानता है। उस पर अलग चर्चा होगी। लेकिन इस समय हमें कहना है कि हमारी तरफ से और हमारे साथी सोमनाथ चटर्जी की तरफ से आतंकवादियों का सफाया करने में हमारा पूरा साथ है। आप जो कदम उठाना चाहें, उठाएं। लेकिन तीर्थ यात्री भी सुरक्षित नहीं हैं। वैणो देवी की तीर्थ यात्रा सुरक्षित नहीं हैं, अमरनाथ यात्रा सुरक्षित नहीं हैं, गुजरात के मंदिर में पूजा करेंगे तो सुरक्षित नहीं हैं। फौजी छावनी भी सुरक्षित नहीं है। आपको इस पर गंभीरता से सोचना पड़ेगा। इस संबंध में राजनीति नहीं होगी और न हम करना चाहते हैं। उप प्रधान मंत्री जी जो घोाणा करना चाहें कि हम सुरक्षा के मामले में क्या करना चाहते हैं, हम उनका सहयोग करेंगे लेकिन सच्चाई को देश के सामने रखना चाहिए। आप हिन्दुस्तान के बहुत महत्वपूर्ण नेता हैं। आपने कहा कि पूरे देश का विकास हमने पांच साल में कर डाला है और सुरक्षा का पूरा प्रबंध कर दिया। लेकिन आपकी कलई देश के सामने खुल गई। गलती चाहे आपकी तरफ से हुई या राज्य सरकार की तरफ से हुई, यह दोनों की जिम्मेदारी है। हमारा सहयोग देश की सुरक्षा के मामले में हमेशा रहा है तथा रहेगा। आपकी सरकार जम्मू कश्मीर में कोई कदम उठाएगी तो हम आपके साथ हैं। आतंकवादियों के खिलाफ कदम उठाएंगे तो उसमें हम आपके साथ हैं। लेकिन जो ज़ोर-शोर से आप देश को गुमराह कर रहे हैं, वह ठीक नहीं है। हमें अफसोस है कि तीर्थ यात्री क्या सोचकर गए थे, किस आस्था से गए थे, क्या मनौती लेकर गए थे, आज वह अपने परिवार में वापस नहीं लौट सके, इसके लिए हमें अफसोस है। हम उनके प्रति संवेदना प्रकट करते हैं और उनके परिवारों के प्रति सहानुभूति प्रकट करते हैं और इस हमले की घोर निन्दा करते हैं।

SHRI SOMNATH CHATTERJEE (BOLPUR): Mr. Speaker, Sir, on behalf of my party and myself I strongly condemn the incident that took place yesterday at Jammu where innocent lives were lost. We are also told that some serious incidents had taken place at Akhnoor where there were some casualties amongst the security forces. We consider these acts as crimes against humanity. We most strongly condemn these incidents and we convey our sincere condolence to the bereaved families.

Sir, when we started the proceedings today, it was a very solemn occasion. In the morning we had a meeting of the Opposition leaders and the first thing we decided there was that we should request you to allow us to raise this issue in the House so that we can pay our condolence, condemn this incident and also express our great agony at the situation that is prevailing there.

Sir, only last month I had an occasion to visit the Kashmir Valley as a Member of the Standing Committee.

What I saw after many years was a great revelation. It was a very pleasant surprise. It seemed to be a completely normal Srinagar. We moved about in the surrounding areas. So many Standing Committees had gone there. The visit of the Prime Minister had created a great impact. Everybody supported his peace initiatives. The meeting held by the Leader of the Congress Party with the Chief Ministers of different States also created a tremendous

impression. The people said that if so many leaders − leaders like the Prime Minister, Chief Ministers and Leader of the Opposition - could come and go about, why do the tourists not start pouring in? We were told that not a single hotel room was available, not a single houseboat was vacant. We were very happy. We also moved about. Our Members went to Gulmarg, Pahalgam and all that. Now, this is a deliberate attack that is being made to disturb this normalisation process. I wrote to Shri Advani after my visit there. It was a very good thing. I am sure, the Government will see that no further incident takes place.

Let us hope that there will be no attack on the Amarnath pilgrims. We understand that adequate steps have been taken to protect the pilgrims who are going to Amarnath. Probably, there is a feeling that proper steps should be taken to protect the pilgrims to Amarnath where incidents were happening every year. There has been some laxity in providing security at Vaishno Devi and that is the advantage that has been taken.

We know that the terrorists are desperate. There is also frustration amongst them. As Shri Mulayam Singh Yadav has rightly reiterated, whenever there has been any occasion with regard to fight against terrorism, the Opposition has totally supported whatever proposals came from the Government. We supported even the ceasefire. They wanted 'revival' and we supported it. It is the duty of the Government. We cannot do that. Therefore, we should not do anything that will weaken the Government's efforts.

Now, I am very sorry that this solemn occasion has been attempted to be spoilt. Unnecessary provocative statements have been made. Dr. Malhotra has all the experience and seniority.

DR. VIJAY KUMAR MALHOTRA : Ask him also. He started it, not me. ...(*Interruptions*)

SHRI SOMNATH CHATTERJEE : Let me complete. He is a very senior Member. He is a spokesman of the BJP here which is the leading constituent of the NDA. Unnecessary provocative statements are being made.

He says that I should also condemn. I have not found anything. Ultimately, the security forces are under the control of the Central Government. He has reminded that. That is not the response expected. We are not having a fullfledged discussion. My friend, Dr. Malhotra, could not resist himself. He referred to so many other things in his brief intervention. What was the necessity? We, in this House, together should have solemnly condemned these heinous attacks. These are crimes against humanity. A message should go from this House today that here we are totally united in our efforts to fight the terrorism. I am requesting Shri Advani. I believe, he will agree that the Central Government has the main role. The State Government can also not ignore, obviously, it being a law and order situation. But it is also a matter of concern that the hon. Minister of State for Public Health and Engineering of Jammu and Kashmir Government has said that the security in this area was lax. That is the feeling of a Minister of the Government.

In this matter, will the Central Government kindly explain why it has happened? Shri Advani is here. He is the best person to tell the country and us. Although we are not having a fullfledged discussion, let the country be taken into confidence and assured that all steps will be taken so that there is no recurrence of the incidents in future. We are with the Government in this matter.

I want to make one request. There should be a complete harmony between the State Government and the Central Government in this matter.

The Central Government also has been fighting against the terrorists. There should not be a feeling generated that the Central Government alone is taking steps and the State Government is not taking any steps. That is not so.

We had a meeting with the hon. Chief Minister and he expressed his appreciation of the efforts for normalisation that were being made after the visit of the Prime Minister. He said, 'we are totally acting together and we shall fight against this menace of terrorism.' Let us not create a division amongst the two Governments here and try to score political points. Therefore, I can only say − I ignore Shri Malhotra's fulminations − let us proceed otherwise. We express our great condemnation of the incidents that have taken place.

MR. SPEAKER: Shri Yerrannaidu. I would request the hon. Members to be very brief. They can just express their feelings.

SHRI K. YERRANNAIDU (SRIKAKULAM): Mr. Speaker Sir, on behalf of my party Telugu Desam and on my own behalf, I express my deep condolences to the persons who were killed in these recent incidents. My party strongly condemns the incidents. This is not the time to criticise each other. We have to strengthen the State Government and the Government of India, both Governments put together, to make full efforts so that such incidents do not occur in future.

The entire country is happy that pilgrims are going there in large numbers. The hon. Prime Minister visited the State of Jammu & Kashmir and even His Excellency the hon. President also visited LoC. It gives a moral boost to the

people of this country. For the last so many years, there were very few people who visited Jammu & Kashmir. In this scenario this incident gives a threat to the security of the country. There is a second thought amongst the pilgrims about their visit to that place.

My party fully supports the efforts made by the Union Government and my party will give its full support to both the Governments. They should be very firm to combat terrorism and to curtail the terrorist activities. Thank you very much.

श्री प्रकाश मणि त्रिपाठी (देवरिया) : अध्यक्ष महोदय, कटरा में जो घटना हुई है, उसके लिए हमारे ख्याल में पूरी संसद शोकाकुल है और हम उन्हें अपनी संवेदनाएं देते हैं। कटरा एक ऐसा स्थान है जहां कि यात्री लोग आकर अपने वाहन से उतरते हैं। वहां वे कुछ समय ठहरते हैं, कुछ खाना-पीना खाते हैं और उसके बाद पैदल जाते हैं तथा वहां से थके हुए आने के बाद फिर वहां कुछ समय व्यतीत करते हैं। आप सब लोग जानते हैं, वहां ज्यादातर लोग गए हुए हैं। वहां कई बार 2000 से लेकर एक-डेढ़ लाख तक यात्रियों की संख्या हो जाती है। यह संख्या घटती-बढ़ती रहती है। वहां जो यात्री आते हैं, वे अपने साथ सामान-झोला आदि लाते हैं। वे लंगर में झोला लेकर जाते हैं, इसलिए वहां की सुरक्षा कोई आसान बात नहीं है। लेकिन उसके बावजूद हमारा अनुभव यह है कि वहां सुरक्षा पर्याप्त है, वहां और सुरक्षा होनी चाहिए। ऐसी बातें नहीं होनी चाहिए, यह मैं मानता हूं। वहां सुरक्षा का इंतजाम काफी सख्त एवं कड़ा है, केवल वहीं नहीं, वहां से लेकर दर्शन करने के स्थान तक जो यात्री जाते हैं, वहां तक सुरक्षा का इंतजाम किया गया है, लेकिन इसमें अगर कोई प्रफेक्शन की संभावनाएं चाहे तो वह थोड़ी मुश्किल है। यह एक ऐसा हादसा हुआ है, जिसके बारे में जितनी भी निन्दा की जाए, उतनी कम है। लेकिन यह बात भी सही है और यह बात भी हमारे ख्याल में संसद पूरे तौर पर मानती है कि आज जो जम्मू-काश्मीर में वातावरण है, जिस हिसाब से एक भी शिकारा वहां खाली नहीं है, होटल में एक भी जगह खाली नहीं होती है, अमरनाथ के यात्री बहुत संख्या में वहां जा रहे हैं। ऐसा एक वातावरण पैदा हुआ है, जिससे लोगों के दिल में एक तरह से साहस हुआ है कि अब काश्मीर में हमारे हालात सामान्य हो रहे हैं।

ऐसी हालत में यह स्वाभाविक है कि ऐसी घटनाएं आतंकवादी करने की कोशिश करेंगे कि ऐसी घटनाएं हों। हमें सुरक्षा बलों को जितना भी सतर्क करना चाहिए, किया जाये।

हमारे ख्याल से मुलायम सिंह जी ने और हमारे भाई साहब ने जो बात कही है, उससे हम लोग पूरी तौर से सहमत हैं कि जितना भी कुछ किया जाये, उतना कम होगा, हमें ज्यादा से ज्यादा काम करना चाहिए। लेकिन उसके साथ ही साथ जैसे-जैसे जम्मू-कश्मीर का वातावरण अच्छा बन रहा है, लोगों के दिलों में विश्वास पैदा हो रहा है, कहीं ऐसा न हो कि यहां पर लूज बातें करने से हम लोग एक ऐसे वातावरण का निर्माण कर दें, जिससे लोग यह समझें कि कश्मीर की हालत अच्छी नहीं हो रही है, और खराब होती जा रही है। पूरी संसद इस बात को मानती है, चाहे हम कुछ कहें, आप कुछ कहें, वह एक अलग बात है। लेकिन जनता क्या कह रही है, जनता यह कह रही है कि कश्मीर में आज सुरक्षा बहुत अच्छी है, मैं वहां पर जाऊंगा। लोग वहां घूमने जा रहे हैं, लोग शिकारे में जा रहे हैं, आम लोग यह कर रहे हैं, इसलिए आप और हम कुछ कहें, वह अलग बात है। जनता आज यह समझ रही है कि वहां का वातावरण बहुत ही अच्छा है, इसलिए यहां से कोई ऐसी बात वहां न जाये, जिससे लगे कि वातावरण उतना अच्छा नहीं है।

हमारे ख्याल से संसद एकमत होकर इस बात का पूरे तौर पर समर्थन करे कि हम आतंकवाद से लड़ाई में पूरी तरह से सक्षम हैं, कटिबद्ध भी हैं और सफलता भी प्राप्त करेंगे। बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री चन्द्रकांत खैरे (औरंगाबाद, महाराट्र) : अध्यक्ष जी, माता वैणो देवी के जो श्रद्धालु मारे गये हैं, उनके बारे में शिवसेना की श्रद्धांजलि अर्पित करके जो हत्यारे हैं, जिन्होंने हिन्दुस्तान में आतंकवाद बढ़ाया है, जो पाकिस्तान के मार्फत पूरे हिन्दुस्तान में आतंकवाद चल रहा है, उसकी कड़ी निन्दा करते हैं।

जिस समय यहां प्रधानमंत्री जी का वक्तव्य पाकिस्तान के साथ सहयोग करने का ऑल पार्टी मीटिंग के समय हो रहा था, उस समय मैंने शिवसेना की भूमिका रखी थी। शिवसेना प्रमुख श्री बाला साहेब ठाकरे जी और शिवसेना ने पाकिस्तान के साथ सहयोग करने का कड़ा विरोध किया था। मैं यह कहूंगा कि मैं हाल ही में 18 तारीख को अमरनाथ जी के दर्शन करके आया। मैं केन्द्र सरकार के बारे में यही कहूंगा कि हमारे जो भी केन्द्रीय सुरक्षा बल हैं, उनके कारण जिन 3500 यात्रियों को अमरनाथ जी के दर्शन करने की परमीशन मिली है, लेकिन उनकी जगह 16,500 लोग यात्रा में जा रहे हैं, स्थिति वहां पर आउट ऑफ कंट्रोल हो रही है, लेकिन फिर भी केन्द्रीय सुरक्षा बलों के कारण यात्रा सेफ हो रही है।

मैं हाल ही में 2-3 दिन जम्मू-कश्मीर में भी घूमा हूं। वहां की सरकारी पार्टी के एक विधायक मुझे मिले थे, मैं उनका नाम नहीं बताऊंगा। उन्होंने उसी दिन सरकार से सपोर्ट वापस लेने की बात की थी। मैंने उनसे कहा कि आज यहां तनावग्रस्त वातावरण नहीं दिख रहा है, यहां बड़ी शान्ति दिख रही है, क्या बात है? वे बोले कि यह जो शान्ति है, यह बनावटी शान्ति है और ये सारी बातें यहां के राजनीतिज्ञों के लिए हैं और हम लोग आतंकवाद के विरोध में हमेशा से लड़ते आ रहे हैं।

मा वैणोदेवी के हिन्दू यात्रियों के ऊपर जो हमला हुआ, सारा देश इसकी निन्दा करता है, लेकिन हम लोग कब तक अमरनाथ यात्रियों, वैणोदेवी यात्रियों और अक्षरधाम पर हमले सहन करते रहेंगे? शिवसेना इसका इसलिए विरोध करती है कि इससे पहले भी जब अमरनाथ यात्रियों पर 1992-93 में हमला हुआ था तो उस समय भी माननीय बालासाहेब ठाकरे जी ने यह कहा था कि अगर यह यात्रा बन्द करने की कोशिश की तो हम हज यात्रा नहीं होने देंगे। उसी कारण से आज वहां सिक्योरिटी है, सुरक्षा है, इसीलिए अमरनाथ यात्रा ठीक से चल रही है। हमले के बावजूद भी वहां कुछ लोग जाते हैं। जम्मू-कश्मीर में लोग अमरनाथ जी की यात्रा करने के लिए जाते हैं या मां वैणोदेवी की यात्रा करने जाते हैं, उनका जम्मू-कश्मीर की पुलिस के ऊपर भरोसा नहीं है। वहां केन्द्रीय सुरक्षा बल, फिर चाहे आर्मी हो, मिलिट्री हो, बी.एस.एफ. हो, सी.आर.पी.एफ. हो, इनके कारण से आज हमारे हिन्दू यात्री सुरक्षित हैं।

इस घटना की कड़ी निन्दा करते हुए मैं शिवसेना के माध्यम से यह कहूंगा और यह विनती करूंगा, आदरणीय आडवाणी जी यहां बैठे हैं, कि पाकिस्तान के भरोसे हम लोग शान्ति प्रस्ताव प्रस्तावित नहीं कर सकते हैं।

मैंने उसी दिन बोला था कि पाकिस्तान हमारे देश में आतंकवाद फैलाना चाहता है। अगर ऐसा माहौल रहा तो लाहौर बस में भी कभी न कभी ऐसा हादसा हो सकता है। हमारे महाराट्र के भी कई यात्री वहां गये थे। जब मैंने सुना कि वहां ऐसा हुआ है तो मैंने इमीजिएट फोन करके पूछा कि वे कैसे है। उन्होंने कहा कि हम उस जगह के नजदीक ही थे। वहां ज्यादातर यात्री लंगर खाने के लिए रुकते हैं। एक बार अमरनाथ यात्रा में भी आतंकवादियों ने लंगर खाते हुए यात्रियों पर हमला किया था। जब वहां की सारी सिचुएशन स्टेट गवर्नमैंट के हाथ में है तो वहां की पुलिस ने इस बात पर ध्यान नहीं दिया। इसके लिए राज्य शासन की पुलिस जिम्मेदार है। मैं श्री लाल कृण आडवाणी जी से कहूंगा कि जब तक सैंट्रल गवर्नमैंट का जम्मू-कश्मीर पर पूर्ण कंट्रोल नहीं होगा तब तक वहां शांति स्थापित नहीं होगी। वहां आपको आतंक वादियों का सफाया करना चाहिए और उनकी गोली का जवाब अपनी गोली से देना चाहिए, ऐसी भूमिका शिव सेना की है।

श्री राशिद अलवी (अमरोहा) : जनाब स्पीकर साहब, मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी बहुजन समाज पार्टी की तरफ से इस वाक्या की पूरी निंदा करता हूं लेकिन अफसोस की बात यह है कि यह वाक्या कोई पहला वाक्या नहीं है। मुझे इस बात की भी तकलीफ है कि टैरोरिज्म के इस तरह के वाक्यात इस मुल्क के अंदर थोड़े-थोड़े वक्त के बाद होते रहते हैं और हम इस हाउस में उसका कंडम करते रहते हैं। एक दूसरे पर इल्जाम और दर इल्जाम लगाते रहते हैं लेकिन मैं बड़े अदब के

साथ पूछना चाहता हूं कि जिन खानदान के लोग मारे गये, आडवाणी साहब, वे किसके आगे हाथ फैलाने के लिए जायें, किससे शिकायत करें। उन मासूम बच्चों का कौन जिम्मेदार होगा जो पीछे रह गये हैं। आप कहेंगे कि स्टेट गवर्नमैंट के पास जायें और स्टेट गवर्नमैंट कहेगी कि सैंट्रल गवर्नमैंट के पास जायें। मैं पूछना चाहता हूं कि यह सिलसिला कब तक चलता रहेगा ? जिन लोगों के हाथों में सरकार है, वे यकीनन इन तमाम बातों के लिए जिम्मेदार हैं। â€¦ (व्यवधान)

श्री रामदास आठवले : जब तक ये लोग सत्ता में रहेंगे तब तक ऐसा ही चलता रहेगा। â€¦ (व्यवधान)

श्री चन्द्रकांत खैरे : रामदास आठवले जी, आप मजाक मत करिये। â€¦ (व्यवधान) सीरियस मामले में भी आपको मजाक सूझता है। â€¦ (व्यवधान)

श्री रामदास आठवले : इसमें क्या मजाक है ? जब तक ये लोग सत्ता में हैं तब तक ऐसा ही होगा। â€¦ (व्यवधान)

श्री राशिद अल्वी : जिन लोगों के हाथों में सरकार है, वे यकीनन इस बात के लिए जिम्मेदार हैं। मुझे तो अफसोस इस बात का है कि सैंट्रल गवर्नमैंट ने अभी तक इस बात की कोई कोशिश नहीं की कि स्टेट गवर्नमैंट और सैंट्रल गवर्नमैंट के अंदर कम से कम टैरोरिज्म के मामले में कोई को-आर्डिनेशन कमेटी बने जिसके अध्यक्ष श्री आडवाणी जी हों। वे देखें कि कहां पर खतरा है और कैसे उससे निपटा जा सकता है। हमारी गवर्नमैंट के नैशनल एडवाइजर श्री ब्रिजेश मिश्रा का स्टेटमैंट मुझे याद है। जब वे अमरीका गये थे तब उन्होंने कहा था कि टैरोरिज्म से लड़ाई लड़ने के लिए इज़राइल, अमरीका और हिन्दुस्तान को इकट्ठा होना चाहिए। अफसोस की बात है कि लोग हमारे मारे जा रहे हैं और तवक्को इजराइल से करेंगे कि वह आकर हमारे टैरोरिज्म को खत्म करेगा। वह अमरीका जो टैरोरिज्म को दिन-रात दुगुनी तरक्की दे रहा है, उससे हम उम्मीद करें कि वह टैरोरिज्म को खत्म करेगा। वह अमरीका जो पाकिस्तान को दो बिलियन डालर दे रहा है, उससे हम तवक्को करेंगे कि वह हिन्दुस्तान के टैरोरिज्म को खत्म करेगा। यह मौका कोई तफसीली गुफ्त-गू का नहीं है। मैं इतना जरूर कहना चाहूंगा कि यह बहुत संजीदा मसला है और इस मसले पर तमाम सरकारों को चाहे वह स्टेट गवर्नमैंट हो या सैंट्रल गवर्नमैंट हो, उसे संजीदगी के साथ उसका मुकाबला करना चाहिए। आपका बहुत-बहुत शुक्रिया। एक बार फिर मैं इस वाक्य की निंदा करता हूं।

अध्यक्ष महोदय : 45 मिनट से इस विाय पर चर्चा चल रही है। मंत्री जी इस पर निवेदन करेंगे तो उससे सबको मालूम हो जायेगा। मैं गृह मंत्री जी को बताना चाहता हूं कि â€¦

(व्यवधान)

SHRI PAWAN KUMAR BANSAL (CHANDIGARH): Sir, two Members from BJP have spoken. Just give me two minutes. ...(*Interruptions*)

SHRI ALI MOHD. NAIK (ANANTNAG): We are the Members of Parliament from Jammu and Kashmir. We should be allowed to speak. ...(*Interruptions*)

(l/1150/nsh-mmn)

अध्यक्ष महोदय : श्री पवन कुमार बंसल का नोटिस है, इसलिए मैं उनको बोलने की इजाजत दूंगा।

â€¦ (व्यवधान)

SHRI ALI MOHD. NAIK : Shri Omar Abdullah, our President, wants to speak. He should be allowed to speak....(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : श्री उमर अब्दुल्ला यहां उपस्थित हैं। वे भी बोलना चाहते हैं।

â€¦ (व्यवधान)

श्री जी.एम.बनातवाला (पोन्नानी) : अध्यक्ष महोदय, मुझे भी कुछ कहने की इजाजत होनी चाहिए।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : एक-एक, दो-दो मिनट ही बोलना चाहिए।

श्री प्रभुनाथ सिंह (महाराजगंज, बिहार) : अध्यक्ष जी, हमें भी अपनी पार्टी की तरफ से बोलने की इजाजत दीजिए।â€¦ (व्यवधान)

SHRI PAWAN KUMAR BANSAL : Mr. Speaker, Sir, the terrorist attack on pilgrims at Ban Ganga, killing seven of them and injuring another 50, and the subsequent attack on an army camp at Akhnoor, which is presently underway, are yet another cruel reminder of the fact, a cruel reminder of the stark reality that the terrorists still have the will and the capacity to choose the target and the time of their action at will. While I say so, I must first pay my tributes to the pilgrims, who have lost their lives, and also express my genuine appreciation for the Jammu and Kashmir people who braved the gun and faced the elections and the Army *jawans* who are fighting a difficult battle there. But what really causes concern to each one of us is, I learn, that there were intelligence reports about some terrorists' movement around Katra to strike at pilgrims on their way to Vaishno Devi besides the people on their way to Amarnath.

Some of the officers of the Ministry of Home Affairs recently visited that area. I believe they were told of an impending possibility of a terrorist attack. So, what is the cause of concern to us is that when the Government

initiates some peace talks, it perhaps relapses into a sense of complacence. It forgets that such incidents would certainly occur to sabotage, to derail the process of peace. That is what I would like to know from this Government. When you go for some peace initiative, do you just forget that there is rather an enhanced possibility of the people, who do not want peace between the two countries, who do not want India to prosper to seize the opportunity to derail the process of peace and what really was done in this process?

I am at one with Mr. Malhotra that this is not an occasion to trade charges. We did not do that. But without knowing the facts as to what we were really up to and what was on in the House, a very unsalutary comment was made about us, and I would only want to take this opportunity to say that we must not approach the issue with preconceived kinky ideas. We must really be alive to this situation that we have to face, the situation that our people have faced in the past. There is a distinct possibility of such things recurring. What is of greater concern is that it is not just one incident which happened at Katra, but that was followed up by the attack on the army camp, which is presently underway. This is a cause of concern. This shows that there is a scheme behind all these attacks which are pre-planned and that is what we would really want the Government to tell us, to take us into confidence as to what steps are being taken and whether you did perceive such a possibility.

SHRI OMAR ABDULLAH (SRINAGAR): On behalf of my Party, the Jammu and Kashmir National Conference, I rise to condemn the twin incidents, the massacre of pilgrims travelling to Mata Vaishno Devi shrine in Jammu and also the attack on the army camp in Akhnoor, which is ongoing. If my information serves me correct, there are about four casualties of our security forces and a number of injuries.

Mr. Speaker, Sir, this occasion was to be used for one purpose and one purpose only and that was to condemn these incidents, to sympathise with the families of the deceased and to show the country and before the world that we are at one in the fight against terrorism. But I must, Mr. Speaker, Sir, strongly register our protest that unfortunately this occasion has been used as another means for both sides of the House to blame each other, to throw mud at each other and to try and act as if one side is responsible and the other side is not.

For the Congress Party, this was much easier a few months ago because the National Conference was in power in the State and the National Conference was a part of the NDA in Delhi and therefore both the Centre and the State were responsible for what was happening in Jammu and Kashmir. Today, unfortunately, the situation is no longer the same. The Congress Party is responsible for the Government that exists in Jammu and Kashmir. The Congress Party is the single largest constituent of the State Government and therefore cannot absolve itself of the responsibility of what is happening in Jammu and Kashmir today. The fact of the matter is that both the Centre and the State are responsible and are guilty of complacency. There is no other way to explain it.

This is not a new situation, Mr. Speaker, Sir. It is not as if for the first time, we are seeing the buds of peace blooming in Jammu and Kashmir. Allow me just for a moment to take you back to 1999. The Prime Minister of India, in a historic *yatra,* visited Lahore. There were the beginnings of a peace process. Jammu and Kashmir was beginning to show signs of return to normality. Yes, we did not have 15 Parliamentary Committees. Yes, we did not have Congress Chief Ministers visiting us. Yes, we did not have the Prime Minister or the President of India coming. But tourists had begun to return to Jammu and Kashmir. Houseboats were full; *shikaras* were full; and there was a sense of optimism. There was a feeling that things were not going to change. But what happened? We became complacent. We began to feel that everything had improved and we faced the situation in Kargil.

For the last few months, my Party and I have been time and again telling both the Central and the State Governments, 'Look, this is a false sense of security. Please be aware, the militants have not gone away. The militants have not packed off and left. They are lying low. They are waiting. They want to see what will happen. They will strike at will.' They had struck in Nadimarg; they had struck in Sunjawan; and now, unfortunately, they have struck in Katra and in Akhnoor. There is a pattern to their strikes. Why is Kashmir now less targeted and Jammu being targeted more?

We need to once again speak in one voice in our fight against terrorism. Let us not blame each other. The Central and the State Governments have an equal stake in the fight against terrorism. It is not possible for the Opposition in Parliament today to blame just the Central Government. The fact of the matter is that Jammu and Kashmir security is looked after by a unified command. The unified command is headed by the Chief Minister. The Chief Minister has both the GoCs of the 15th Corps and the 16th Corps to advise him on security matters. Therefore, if the Chief Minister or some of his Ministers felt that security was being threatened, it was the Chief Minister's responsibility to take it up in the unified command with his Generals and if necessary bring it to the attention of the Central Government as well.

In the aftermath of Nadimarg, when there were complaints that co-ordination between the Centre and the State was suffering, if my information serves me correctly, a special committee was set up. That committee is headed by the Special Secretary (Home), with a number of officers of the State Government. The sole purpose of this committee is to ensure that on security matters, there is a uniform action that is carried out. I would request, Mr. Speaker, Sir,

through you, the hon. Deputy Prime Minister to ensure that this co-ordination continues to ensure that the unified command functions in the way it does; or, then, think of the next option, which the Governor of Jammu and Kashmir has put forward. If the Centre and the State both feel that co-ordination is lacking, the only other option is the Governor's option where he has asked for a unified headquarters rather than a unified command.

Finally, Mr. Speaker, Sir, I would just like to request both sides to be a little careful with their statements. Unfortunately, all this results in nothing else but confusion back in Jammu and Kashmir. The people in Jammu and Kashmir want to know whether there is a healing touch and whether that healing touch is supported by this nation. We are now in this curious situation where the Prime Minister visits Jammu and Kashmir and supports the healing touch and then we have the Spokesperson and the Chief Whip of the BJP who criticises this healing touch. It is a different matter that my party may have views on whether this healing touch means anything or not but there is something called a 'healing touch'. Now, either we support it or reject it. If we reject it, we all reject it in one voice. Let the Prime Minister also reject it. Let us not have a situation wherein the Prime Minister supports it and his Spokesperson rejects it because all this does is that it adds to greater confusion in Jammu and Kashmir. It does not help the situation.

On the question of terrorism, may I just humbly, on behalf of my Party and the people of Jammu and Kashmir, request this Parliament to be one. There can be no two opinions on the fact that terrorism has to be fought. It has to be fought both internally and externally. It has to be fought with a humanitarian face; it has to be fought with the aspirations and the sentiments of the people of the State in mind.

12.00 hrs.

Let us in one voice condemn these two incidents. Let us sympathise with the families of the bereaved. Let us try and ensure that such incidents do not happen again.

श्री प्रभुनाथ सिंह : अध्यक्ष महोदय, कटरा में जो अभी घटना घटी है, उसकी जितनी निंदा हो, वह कम होगी। वैसे यह आतंकवाद की घटना पहली बार नहीं हुई है, इस देश में बार-बार आतंकवाद की घटनाएं घटती रही हैं। सरकार भी अपनी तरफ से प्रयासरत रही है कि आतंकवाद पर काबू पाया जाए। इसमें सच्चाई भी है कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद की घटनाओं पर नियंत्रण पाया गया है। कुछ दिन पहले मुलायम सिंह जी की अध्यक्षता वाली कमेटी कश्मीर गई थी, जिसमें मैं भी था। हमारी वहां कई लोगों से बात हुई। वहां की स्थिति भी हमने देखी। आम लोग बाजार में रोजमर्रा के कार्य कर रहे रहें।

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह (वैशाली) : जार्ज फर्नांडीज साहब हैलीकॉप्टर से वहां गए थे।

श्री प्रभुनाथ सिंह : वह भी बताऊंगा। वहां कोई कठिनाई है, लोग अमन-चैन से हैं। हम लोग भी अमरनाथ यात्रा पर गए थे। वहां एक दिन में 3000-3500 लोगों के दर्शन करने की सरकार की योजना है, लेकिन 10,000 से भी ज्यादा लोग वहां प्रतिदिन दर्शन कर रहे हैं। वहां पर सेना के जवान, सी.आर.पी.एफ. के जवान, बी.एस.एफ. के जवान और राज्य की पुलिस भी अपने-अपने तरीके से पूर्ण सुरक्षा की व्यवस्था करने में जुटी हुई है। वैणो देवी के यात्रा के मार्ग में भी पूर्ण सुरक्षा की व्यवस्था है। लेकन एक बात जो हमने वहां महसूस की, सेना के लोगों से हमारी बात हुई तो उन्होंने बताया कि जब साधु जमात के लोग यात्रा पर जाते हैं तो उनकी जांच-पड़ताल की बात उठती है, तो ये लोग रिएक्ट करते हैं। सेना के अधिकारियों ने बताया कि साधू जमात की जितनी जांच होनी चाहिए, वह नहीं हो पाती। इसी तरह से वहां रास्ते में महिला पुलिस भी न के बराबर है। जब महिलाएं दर्शन के लिए जाती हैं तो उनकी भी सही ढंग से जांच नहीं हो पाती है। सेना के अधिकारियों का कहना था कि जब ये घटनाएं घटती हैं तो प्राय देखा गया है कि आतंकवादी साधु या महिलाओं के वेश में सामान छिपाकर आते हैं। इसलिए इन दिनों जितनी कड़ाई होनी चाहिए, उतनी नहीं हो पा रही है।

अध्यक्ष महोदय : अब आप समाप्त करें।

श्री प्रभुनाथ सिंह : मैं समाप्त कर रहा हूं। हमने वहां जो महसूस किया, वह हम सदन को बता रहे हैं। गृह मंत्री जी से हम कहना चाहते हैं कि साधु जमात और महिलाओं की भी पूर्ण जांच-पड़ताल हो, जिससे सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी हो सके। ये जो घटनाएं वहां घटी हैं, इसने प्रमाणित किया है कि हमारी सुरक्षा व्यवस्था में कहीं न कहीं छिद्र है इसलिए उस पर अंकुश लगाया जाए, ताकि तीर्थ यात्रियों की रक्षा हो सके। समता पार्टी की ओर से मैं वहां अभी घटित घटना में मारे गए लोगों के प्रति शोक संवेदना व्यक्त करते हुए प्रार्थना करता हूं और अपनी बात को समाप्त करता हूं।

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : अध्यक्ष महोदय, आपने शुरू में ही सदन में इस घटना के प्रति संवेदना व्यक्त की। वैणो देवी से लाखों लोगों की आस्था जुड़ी हुई है। वहां भारी संख्या में लोग तीर्थाटन के लिए जाते हैं। वहां यात्रियों पर जो आतंकवादी घटना हुई, इससे आतंकवादी सचमुच में देश में आतंकवाद फैलाने में सफल हुए हैं और सरकार इसे रोकने में विफल हुई है, यह इससे पता चलता है। इसलिए मैं इस घटना की निंदा करता हूं और अपना गुस्सा जाहिर करता हूं कि क्यों बार-बार इस तरह की घटनाएं होती हैं। इस तरह की घटनाओं में बेकसूर लोग मारे जा रहे हैं और आतंकवादी सफल हो रहे हैं। लेकिन फिर भी आतंकवाद को रोका नहीं जा रहा है। हम नहीं जानते हैं कि गृह मंत्री जी का क्या मापदंड है, कितने लोग मारे जाएंगे, फिर वे त्यागपत्र देंगे। और कितने आदमी मारे जाएंगे, अंदरूनी सिक्योरिटी और कितनी ि वफल होगी, कब ये त्यागपत्र देंगे ? प्रभुनाथ सिंह जी अभी बोल रहे थे। जार्ज फर्नांडीज साहब और इनकी पार्टी के लोग हैलीकॉप्टर से वहां दर्शन करने के लिए गए थे, ताकि इनकी पार्टी का अंदरूनी झगड़ा खत्म हो। उनके लिए तो सब इंतजाम किए गए, सेना को भी भेजा गया। इसी तरह की व्यवस्था आम जनता और तीर्थ यात्रियों के लिए भी होनी चाहिए। सरकार को इस पर विचार करना चाहिए।

अध्यक्ष महोदय, आपने शुरु में ही जो संवेदना व्यक्त की, सारा सदन उसके साथ है और आतंकवाद से मुकाबला करने के लिए, उसे कुचलने के लिए एकजुट है, लेकिन विलाप करने के लिए नहीं। इस तरह से जो विफलता और कायरता का प्रदर्शन हो रहा है उसके हम खिलाफ हैं और हम आपना गुस्सा जाहिर करते हैं। खुफिया एजेंसिया बार-बार बता रही हैं कि आतंकवादियों के सामने तीर्थयात्रियों पर हमला करने का टार्गेट है। जब आतंकवादी बार-बार चुनौती दे रहे हैं और खुफिया रिपोर्ट है तब सरकार की इससे ज्यादा विफलता क्या होगी? सरकार क्या कर रही है, हम यह जानना चाहते हैं?

MR SPEAKER: Shri G.M. Banatwalla is the last speaker. Thereafter, the hon. Minister will reply.

श्री जी.एम.बनातवाला (पोन्नानी) : शुक्रिया जनाब स्पीकर साहब, वैणों देवी के यात्रियों पर यह हमला इंतिहाई मक्रूह और बुजदिलाना हमला है और हम इसकी

सख्ती के साथ मजम्मत करते हैं। यह एक गैर-इंसानी फेल है। मैं अपनी पार्टी मुस्लिम लीग की जानिब से और अपनी जानिब से इस हमले की सख्ती के साथ मजम्मत कंडमनेशन करता हूं और इन यात्रियों के साथ हम अपनी हमदर्दी का इज़हार करते हैं तथा उनके गम में बराबर के शरीक हैं। जनाब स्पीकर साहब, हिंद-पाक मजाकरात असरे नो आग़ाज़ होने जा रहा है। मुझे उम्मीद है कि इस किस्म की कोशिश इस मुबारक आगाज़ पर असरन्दाज़ नहीं होंगी और हमें भी कोशिशें करनी चाहिए कि अमन की कोशिशें मुतअस्सिर न हों। जनाब स्पीकर साहब, किसी की कोशिश ऐसी न हो कि हालात को फिरकावाराना रंग देने की कोशिश की जाए। नहीं तो हम उन्हीं लोगों के हाथ खेल जाएंगे जो यह खेल खेलना चाहते हैं। इसलिए इसे फिरकावाराना रंग देना देश के साथ में वफादारी की बात नहीं होगी। अभी बतलाया गया है कि कोई वाक्या आर्मी कैंप पर हमले का अखनूर में भी हुआ है। हम सख्ती के साथ इसकी मजम्मत करते हैं। मैं हुकूमत से अपील करुंगा कि रियासती हुकूमत और मरकज़ी हुकूमत संजीदगी के साथ बैठकर कोई पुरअसर राबिता और कोआर्डिनेशन कायम करे। मैं एक बार फिर दोहराना चाहता हूं कि मुल्क की सालामियत के लिए और देश की हिफाज़त के लिए पूरा आवाम और जनता यूनाइटेड है और इसमें किसी किस्म का फर्क नहीं आने पाएगा। लेकिन इसके साथ यह भी जरुरी है कि हम अहतियात बरतें और मौहताद तरीके पर आगे बढ़ें। हमें अपने पैरों पर खड़ा होना पड़ेगा। अमरीका और इजराइल तो खुद बज़ाते टैरेरिस्ट स्टेट्स हैं और उनसे कोई उम्मीद न रखते हुए हमें अपने पैरों पर खड़े होकर, अपने बलबूते पर चैन और इंसाफ लाने की कोशिश करें। शुक्रिया।

श्री रामदास आठवले :सर, हम भी बोलना चाहते हैं।

अध्यक्ष महोदय : मैं आपकी भावना को समझता हूं। आप खड़े हो गये, आपकी भावना इसमें आ गयी। आप बैठ जाइये।

उप प्रधान मंत्री तथा गृह मंत्रालय तथा कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय के प्रभारी (श्री लालकृण आडवाणी) : अध्यक्ष महोदय, पिछले 24 घंटे में तीन आतंकवादी घटनाएं हुई हैं। जिनमें से एक कल शाम 6 बजे हुई जिसमें एक डिप्टी एसपी जोकि राजौरी से शाहदरा शरीफ, जहां वे पोस्टेड थे, जा रहे थे। उनके वाहन पर आतंकवादियों द्वारा हमला हुआ, जिसमें उनका ड्राइवर घायल हुआ और उनकी मृत्यु हो गयी।

यह पहली घटना है। रात्रि 8 बजकर 50 मिनट पर दूसरी घटना हुई, जो एक प्रकार से सबसे अधिक गम्भीर घटना है और यह घटना कटरा में हुई है। जम्मू-कश्मीर में दो यात्रायें होती हैं - एक अमरनाथ यात्रा और दूसरी वैणो देवी यात्रा । अमरनाथ यात्रा लगभग महीने-डेढ़ महीने कन्फाइन होती है और उसी महीने-डेढ़ महीने में लोग गुफा में दर्शन करने के लिए जाते हैं तथा उस काल में पूरा प्रबन्ध करना होता है, पूरी सुरक्षा करनी पड़ती है। लेकिन दूसरी यात्रा - वैणो देवी की यात्रा - 12 महीने चलती है और 12 महीने उसकी सुरक्षा का प्रबन्ध करना पड़ता है। मैं इतना कह सकता हूं कि जम्मू-कश्मीर की सरकार और केन्द्र की सरकार में विगत वाँ में कभी कोई मतभेद, कभी कोई मन-मुटाव किसी विाय में नहीं हुआ है, चाहे वह सुरक्षा का सवाल हो या सवाल विकास का हो। दोनों ही मामलों में पूरी तरह से एक दूसरे का सहयोग करके, सहकार करके काम करते रहे हैं। जब भी जरूरत पड़ी हमारे यहां से कोई व्यक्ति वहां चला जाता है। जब भी जरूरत पड़ी वहां के मुख्यमंत्री या उनके मंत्रिमंडल के कोई सहयोगी यहां आ जाते हैं और चर्चा करके कोई निर्णय कर लेते हैं। आज जितनी भी यहां चर्चा हुई, उस चर्चा में से पहली बात मैं यह कहना चाहूंगा, जहां तक सुरक्षा का सवाल है या जहां तक जम्मू-कश्मीर की जनता के विकास का सवाल है, हमारी पार्टियां अलग-अलग होंगी, पहले कोई और पार्टी थी, जिसके बारे में चर्चा में जिक्र है, वह एनडीए का हिस्सा थी और आज वह पार्टी एनडीए की सरकार के विरुद्ध है, लेकिन जहां तक जम्मू-कश्मीर का सवाल है, हमारा काम पूरी तरह से सहयोग से चल रहा है। उसमें कोई दिक्कत की बात नहीं है।

कटरे की घटना के बारे में यह ठीक है कि कल रात्रि की घटना बहुत भयंकर घटना है। भयंकर घटना इसलिए कि उसमें छः लोग मारे गए हैं और 47 लोग घायल हुए हैं। इनमें अधिकांश लोग बाहर के हैं, लेकिन कुछ थोड़े-बहुत जम्मू-कश्मीर के भी हैं। मैंने उनके नाम मंगवाए हैं, जिससे पता लगे कि जो लोग आहत हुए हैं, वे कौन-कौन हैं। मैं देख रहा हूं कि छः लोगों की मृत्यु हुई है। इन छः लोगों में से दो नेपाल के हैं, तीन पंजाब के हैं और एक महिला जम्मू की है। इस दुर्घटना में छः लोगों की मृत्यु हुई है। जो 47 घायल हुए हैं, मैं उनके प्रान्त का उल्लेख नहीं कर रहा हूं, लेकिन इनमें से 12-13 बच्चे हैं, जो घायल हुए हैं और गवर्नमेंट मैडिकल हास्पिटल में भर्ती हैं।

तीसरी घटना आज प्रातःकाल हुई। जम्मू से राजौरी जाते हुए, अखनूर क्षेत्र में दो फिदाईनों ने आर्मी EME कैम्प में हमला किया - EME यानि इलैक्ट्रिकल एंड मैकेनिकल इंजीनियरिंग। सुबह छः बजे अन्धाधुन्ध गोलियां बरसानी शुरू कीं। अभी तक की जानकारी के अनुसार छः आर्मी के जवानों की मृत्यु हुई है और ये दोनों फिदाईन भी मारे गए हैं। मुझे नहीं लगता है कि अब कोई एनकाउन्टर चल रहा है। आज सुबह मुझे बताया गया था कि एनकाउन्टर चल रहा है, लेकिन थोड़ी देर बाद सूचना आई कि दोनों फिदाईन मार दिए गए हैं। इसमें कोई सन्देह नहीं है कि यहां पर जो चर्चा होती है, उस चर्चा का परिणाम वहां पर होता है। इसीलिए चर्चा में जो बातें कही गई हैं, मैं समझता हूं कि उस चर्चा में यही ग्रहण करने लायक है कि हम सब आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए एक हैं। चाहे किसी भी पार्टी के हों या किसी भी सरकार के हों, आपस में मतभेद नहीं हो सकते हैं।

दूसरी बात, इस अवसर पर मैं जो जानकारी देना चाहूंगा, वह यह कि वैणो देवी की यात्रा में सबसे अधिक यात्री जाते हैं। यह यात्रा 12 महीने चलती है और व्यवधान डालने की यह पहली बार कोशिश नहीं है, व्यवधान डालने की पिछले साल तीन बार कोशिश हुई थी। तीन बार जो कोशिश हुई, उनमें कभी कोई यात्री नहीं मारा गया, घायल हुए हैं। विगत जो हमले हुए हैं, उनमें घायल हुए थे और घायलों को अस्पताल ले जाया गया था। चूंकि कोई मृत्यु नहीं हुई थी, इसलिए वह दुर्घटना वैसी नहीं बनीं, जैसी कि कल रात्रि की घटना बनीं। तीसरी बार जब हमला हुआ तो उस समय आतंकवादियों को हमारे सुरक्षा कर्मियों ने मार गिराया ।

तीन बार पिछले साल कोशिश की गई थी। यह बात सही है कि वहां सबसे अधिक यात्री जाते हैं। मैं इसके आंकड़े ले रहा था तो पाया कि पिछले साल वैणो देवी जन वरी से लेकर जुलाई तक 21 लाख यात्री गए थे और इस बार 29 लाख गए हैं। तीर्थ यात्रियों की संख्या इतनी बढ़ गई है चाहे वह अमरनाथ की यात्रा हो या वैणो दे वी की यात्रा हो, यह संख्या लगातार बढ़ती गई है। सामान्यतः जितनी आतंकवादी घटनाएं हुई, मैं ऐसा मानता हूं कि वहां जो एक प्रकार का परोक्ष युद्ध चल रहा है, यह उसी का हिस्सा है। It is a continuing battle. अभी जो घटना हुई, नाड़ीमर्ग में हुई, मैं मानता हूं कि जम्मू-कश्मीर में जो नॉर्मलसी आ रही है, वह उसे तोड़ने के लिए है। उनका उद्देश्य कोई नॉर्मल नहीं है। यह बहुत चिन्ता का विाय है। जम्मू-कश्मीर में नॉर्मलसी आ रही है, इसका जो अनुभव हम सब को हुआ, उसका जितना प्रचार होगा, उतना लाभ होगा, जम्मू-कश्मीर को भी लाभ होगा और जो परोक्ष युद्ध चल रहा है, उसमें भी लाभ होगा। मैं इस बात से सहमत हूं कि वहां जितनी सफलतापूर्वक पार्लियामेंटरी कमेटियां गई हैं, प्रधान मंत्री जी गए, वाँ बाद प्रधान मंत्री जी की श्रीनगर में इतनी बड़ी सभा हुई, विपक्ष की नेत्री गईं, उनके लिए बहुत सारे मुख्यमंत्री वहां गए, कांग्रेस पार्टी के नेता गए, ये सब बहुत अच्छे लक्षण हैं लेकिन अच्छे लक्षण होने के बाद कॉम्पलेसेंसी की कोई गुंजाइश नहीं है, किसी प्रकार की गुंजाइश नहीं है।

श्री विलास मुत्तेमवार (नागपुर) : वहां राट्रपति गए हैं।

श्री लाल कृण आडवाणीः राट्रपति जी की यात्रा इतनी सफल रही कि वहां के मुख्यमंत्री और लोग उनसे मिले। इसका वहां की जनता पर बहुत असर पड़ा। ये सब पॉजिटिव फैक्टर्स हैं। मैं मानता हूं कि जम्मू-कश्मीर में लोकतंत्र की सफलतापूर्वक स्थापना हुई और लोकतंत्र के माध्यम से वहां की जनता को अपनी इच्छा प्रकट करने का जो अवसर मिला, वहां जो सफल और निपक्ष चुनाव हुए जिसे विश्व ने देखा, उसकी दुनिया ने भूरि-भूरि प्रशंसा की, यह जम्मू-कश्मीर के इतिहास में एक प्र ाकार से मेजर टर्निंग प्वाइंट हुआ। मैं विश्वास करता हूं कि हम उसे आगे बढ़ाते हुए न केवल आतंकवादियों के ऊपर विजय पाएंगे बल्कि जम्मू-कश्मीर की जनता के कल्याण के लिए भी अधिक से अधिक अच्छा काम कर सकेंगे। इसमें सारा देश यूनाइटिड है। पार्टियां भले ही अलग-अलग होंगी लेकिन आतंकवाद के साथ कोई भी नहीं चाहेगा कि किसी प्रकार का समझौता हो। मैं इसके ऊपर यह भी कहना चाहता हूं कि हम शब्दों के ऊपर लड़ाई न करें, हीलिंग टच इत्यादि-इत्यादि। मैं मानता हूं

कि आतंकवाद के प्रति और आतंकवादियों के ऊपर विजय प्राप्त करने के प्रति जितनी दृढ़ता केन्द्र सरकार में है, उससे कम दृढ़ता राज्य सरकार में भी नहीं है। हम सब इस दिशा में सहयोग के साथ काम कर रहे हैं।

MR. SPEAKER: Hon. Members, the House has expressed its concern over the incident of terrorist attack on innocent pilgrims.

I now place the following resolution before the House :

"That this House condemns the killing of innocent pilgrims in the two powerful grenade explosions set off by militants at Ban Ganga near Katra in Jammu on 21st July 2003 and killing of security personnel in the Army Camp at Akhnoor.

This House strongly deplores this barbaric and inhuman act of militants which is indicative of their desperation at the ongoing process to restore peace in the State.

The House deeply mourns the loss of lives of these innocent people. The House places on record its profound sense of grief on this tragedy."

I hope, the House agrees.

SEVERAL HON. MEMBERS: Yes.

MR. SPEAKER: The House may now stand in silence for a short while as a mark of respect to the memory of the departed souls.

12.21 hrs.

(T*he Members then stood in silence for a short while.*)

...(*Interruptions*)

SHRI K. YERRANNAIDU (SRIKAKULAM) : Mr. Speaker Sir, as regards my Adjournment Motion, the Chair has allowed me to raise this most important issue.

MR. SPEAKER : I agree with you. What is your issue?

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER : I have permitted him. After he completes, you can raise it.

...(*Interruptions*)

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI (RAIGANJ): Sir, I am on a point of order....(*Interruptions*)

MR. SPEAKER : Shri Yerrannaidu has been requesting since yesterday to raise an important issue. Hence, I have permitted him.

...(*Interruptions*)

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI : Mr. Speaker Sir, you have been misled by the Government yesterday. I have to clarify on that. ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I will permit you after he completes. I have already taken note of it.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I am prepared to permit you after he completes it. I have already permitted him. I have permitted Shri Yerrannaidu. He can speak, and it will go on record.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Let him complete.

SHRI K. YERRANNAIDU : Mr. Speaker Sir, the Karnataka Government is deliberately, intentionally constructing all illegal projects. These projects are Paragodu ...(*Interruptions*)

12.23 hrs.

(At this stage, Shri Basangouda Patil and some other hon. Members came and stood on the floor near the Table.)

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Please go back to your seats.